बरेली, बुधवार
13 अक्टूबर, 2021
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 7.00
पृष्ठ 22

दैनिक जागरण

Page No. 08 : Bottom

सुगम संगीत की बंदिश पर झूमे श्रोता

जासं, बरेली: एसआरएमएस रिद्धिमा में मंगलवार को भारतीय और पाश्चात्य वाद्य यंत्रों की धुन पर रिद्धिमा के शिक्षकों ने अपना कमाल दिखाया। बंदिश नाम से आयोजित कार्यक्रम का आगाज शास्त्रीय संगीत से हुआ। इसमें भारतीय पारंपरिक शास्त्रीय वाद्य यंत्रों की जुगलबंदी प्रस्तुत की गई। इसके बाद दक्षिण भारतीय में प्रयोग किया जाने वाला राग सादरा को स्नेह आशीष दुबे ने परिचित कराया।

सारंगी, सितार, बांसुरी, तबला और हारमोनियम की संगत में उन्होंने काहे करत मोसे बरजोरी को गाकर श्रोताओं की वाहवाही लूटी। शिवांगी मिश्रा ने आशा भोसले की स्वरबद्ध और अहमद अनीस की लिखी गजल नैना रे नैना तोसे लागे सारी सारी रैना जागे को अपनी मधुर आवाज में पेश किया। शिवांगी ने स्नेह आशीष दुबे के साथ भारतीय और पाश्चात्य वाद्य यंत्र की संगत में राग यमन पर आधारित बरसन लागे नैन हमारे को बंदिश के रूप में प्रस्तुत किया। 1969 में रिलीज और लक्ष्मीकांत प्यारेलाल के गीत आ जाने जां मेरा ये हुश्न जवां गाकर रीता शर्मा ने लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया। इस मौके पर एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देवमूर्ति, आशा मूर्ति, आदित्य मूर्ति, ऋचा मूर्ति, सुभाष मेहरा, डा. एसबी गुप्ता, डा. पीके परडल आदि रहे।

आइएमए हाल में जोन स्तरीय युवा उत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ करते फरीदपुर विधायक डा. श्याम बिहारी लाल, साथ में उपनिदेशक महिला कल्याण नीता अहिरवार ● सौ.सूचना विभाग

शास्त्रीय संगीत से गुंजायमान हुआ आइएमए हाल

जासं, बरेली: युवा कल्याण विभाग के तत्वावधान में मंगलवार को जोन स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन आइएमए हाल में हुआ। प्रतियोगिता में बरेली के अलावा, मुरादाबाद और सहारनपुर के कलाकारों द्वारा लोकनृत्य, शास्त्रीय वादन, शास्त्रीय नृत्य, शास्त्रीय गायन और लोकगीत प्रस्तुत किये गए। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल मे डा. रुचि शुक्ला, डा. अंजू मिश्रा व डा. मुक्ति सक्सेना रहीं। विशिष्ट अतिथि नीता अहिरवार और पंडित सुशील पाठक ने प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पाने वाले प्रतिभागियों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। हरिओम सैनी, महिपाल सिंह, पूरनसिंह, तिलक कुमार आर्य, अंकुर कुशवाहा आदि रहे।

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
बुधवार, 13 अक्तूबर 2021, बरेली, पांच प्रदेश, 21 संस्करण
www.livehindustan.com

Page No. 04 : Middle

रिद्धिमा में सुगम संगीत का आयोजन

बरेली। एसआरएमएस रिद्धिमा में मंगलवार की शाम गीत, संगीत के नाम बंदिश रही। इंडियन और वेस्टर्न इंट्रूमेंट पर रिद्धिमा के गुरुओं ने अपना कमाल दिखाया। दोनों के फ्यूजन के साथ सुर भी सजे। श्रोताओं तालियां बजाने और झूमने पर भी मजबूर हो गए। बंदिश नाम से आज के कार्यक्रम का आगाज शास्त्रीय संगीत से हुआ। भारतीय पारंपरिक शास्त्रीय वाद्ययंत्रों की जुगलबंदी प्रस्तुत की गई। आशीष दुबे ने उत्तर भारतीयों से बखूबी परिचित कराया। सारंगी, सितार, बांसुरी, तबला और हारमोनियम की संगत में उन्होंने काहे करत मोसे बरजोरी को गाकर श्रोताओं की बाहवाही लूटी।